an>

Title: Demand for the construction of new railway bridges and railway tracks and maintenance of old ones in Aurangabad Parliamentary Constituency in Maharashtra.

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से रेलवे की एक समस्या की ओर रेल मंत्री जी का ध्यान आकर्षण करना चाहता हूँ। भारतीय रेल विश्व की सबसे बड़ी परिवहन व्यवस्था है। यहाँ आठ हज़ार से अधिक रेलवे स्टेशनों से रोजाना लगभग 20 हजार गाड़िया चलती हैं। भारतीय रेल रोजाना ढाई करोड़ यात्रियों और तीस लाख टन माल की ढुलाई करती है। परंतु यह भी सच्चाई है कि लगातार दबाव के बोझ से रेल प्रणाली चरमराती जा रही है। रेल पुल और रेल ट्रैक काफी पुराने हो चुके हैं। पूरे देश में 1.21 लाख रेल पुलों में से 75 प्रतिशत ऐसे हैं, जो कि 60 से ज्यादा की उम्र पार कर चुके हैं और तीन हजार पुलों को तत्काल बदलने की आवश्यकता है। हैदराबाद से मनमाड़ के बीच लगभग 372 रेल पुल हैं जो निजाम और अंग्रेज़ों के जमाने में बने हैं। इनमें से अधिकांश पुलों की उम्र 100 साल से ज्यादा और बहुत ही जर्जर अवस्था हैं। इन पुलों के स्थान पर तुरंत नए पुल बनाने की आवश्यकता है। मेरे संसदीय क्षेत्र संभाजी-औरंगाबाद में पोटुल स्टेशन के निकट, शिवना नदी और ढेकू नदी पर बने पुल की हालत काफी खराब हो चुकी है। संभाजीनगर और लासूर स्टेशन रोटेगांव के बीच बने पुल कभी भी गिर सकते हैं। उनका एक बार इंस्पैक्शन भी हुआ है और इसे तुरंत नए बनाए जाने की आवश्यकता है। पूर्णा नदी में जालना और परतुर के बीच बना पुल भी असुरक्षित है, जिसे तुरंत नए बनाए जाने की मैं सिफारिश करता हूँ। मैं माननीय मंत्री जी से मांग करता हूँ कि नदियों के ऊपर नए पुल बनने चाहिए नहीं तो ये कभी भी गिर सकते हैं और इस कारण कोई गंभीर हादसा हो सकता है।

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री चन्द्रकांत खैरे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।